लिंक एक्सप्रेसवे से औद्योगिक विकास को मिलेगी तेज रफ्तार

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 17 जून को मुख्यमंत्री के हाथों होने जा रहा है। इससे दक्षिणांचल का विकास तो होगा ही, औद्योगिक विकास को भी पंख लगेंगे। अदाणी, श्रीसीमेंट, अवाडा और केयान डिस्टिलरी सरीखी बड़े औद्योगिक घरानों ने पहले ही करोड़ों के निवेश की डीपीआर गीडा में जमा कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की नींव पड़ने के साथ ही यहां औद्योगिक कारीडोर को लेकर कवायद शुरू हो गई थी। औद्योगिक कारिडोर के लिए करीब 5500 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होना है। इसमें से करीब 650 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। अब इसके आवंटन की कवायद हो रही है। लिंक एक्सप्रेसवे हजारों करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने में भी मददगार बना है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे बसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में हजारों करोड़ रुपये के निवेश और हजारों नौजवानों को रोजगार मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। 91 किमी से अधिक लंबा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है और 17 जून को इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रस्तावित है। यह एक्सप्रेसवे सिर्फ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से बेमिसाल है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने अपने दो महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल सेक्टर (27 और 28) लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर ही विकसित किए हैं।

लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण को लेकर भगवानपुर टोल प्लाजा के पास निरीक्षण करते लोनिवि के अधिकारी।

एक्सप्रेसवे पर पेप्सिको की यूनिट

एक्सप्रेसवे के शुरुआती बिंदु पर ही बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) पेप्सिको का बॉटलिंग प्लांट स्थापित हो चुका है। करीब 1100 करोड़ रुपये के निवेश वाले इस प्लांट का शिलान्यास और उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। लिंक एक्सप्रेसवे के समीप बसाए गए इंडस्ट्रियल सेक्टर में ही एमएनसी कोका कोला और बिसलेरी ने भी प्लांट लगाने के लिए जमीन की मांग गीडा से की है। 92 यूनिट्स वाला प्लास्टिक पार्क भी लिंक एक्सप्रेसवे के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में विकसित हो रहा है। यहां 60 यूनिट्स के लिए जमीन का आवंटन हो चुका है।

पूर्वांचल का औद्योगिक भविष्य भी है गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे

गोरखपुर, निज संवाददाता। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे केवल सड़क नहीं बल्कि पूर्वांचल के औद्योगिक विकास का भविष्य भी है। एक्सप्रेस वे के निर्माण के साथ ही इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (औद्योगिक गलियारा) भी आकार ले रहा है। अब देश और दुनिया की नामी कंपनियों की दस्तक यहां होने लगी हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के किनारे बसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में हजारों करोड़ रुपये के निवेश और हजारों नौजवानों को रोजगार मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

गीडा ने अपने दो महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल सेक्टर (27 और 28) लिंक एक्सप्रेस वे के दोनों किनारों पर ही विकसित किए हैं। 91 किमी से अधिक लंबा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे बनकर तैयार है और यह एक्सप्रेस वे सिर्फ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से तो बेमिसाल है ही, यह गोरखपुर को केंद्रित करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक प्रगति का माध्यम भी बना है।